



चूत और लण्ड का एक ही रिश्ता- 7

“फादर डॉटर फक्र स्टोरी में मैं अपने पापा को स्कूटी पर लेकर एक सुनसान सड़क पर गयी. मेरे इरादे कुछ ज्यादा ही नेक थे. मैं वहां पापा के लंड का मजा लेने गयी थी. ...”

Story By: गरिमा सेक्सी (garimaasexy)

Posted: Saturday, December 16th, 2023

Categories: [बाप बेटी की चुदाई](#)

Online version: [चूत और लण्ड का एक ही रिश्ता- 7](#)

चूत और लण्ड का एक ही रिश्ता- 7

फादर डॉटर फक स्टोरी में मैं अपने पापा को स्कूटी पर लेकर एक सुनसान सड़क पर गयी.
मेरे इरादे कुछ ज्यादा ही नेक थे. मैं वहां पापा के लंड का मजा लेने गयी थी.

यह कहानी सुनें.

Father Daughter Fuck Story

कहानी के छठे भाग

पापा के साथ सेक्सी मस्ती

में आपने पढ़ा कि

स्कूटी लेकर जैसे ही मैं ओवरब्रिज के नीचे रेलवे क्रॉसिंग के पास पहुंची तो
देखा कि गेट बंद था।

शायद कोई ट्रेन आने वाली थी।

मैं तो बस यही चाह रही थी।

मैंने कहा- ओह ... गेट तो बंद है.

पापा बोले- कोई नहीं, थोड़ा इंतज़ार कर लेते हैं.

फिर थोड़ा कमेंट कर हंसते हुए बोले- वैसे भी कौन सी जल्दी है ... कोई
किताब तो लेनी नहीं है।

मैं बस हल्का सा मुस्कुरा कर चुप रही।

अब आगे फादर डॉटर फक्र स्टोरी :

फिर मैं स्कूटी को ओवरब्रिज के ठीक बीच में एक पिलर के पास लेकर चली गई और ठीक उसके पीछे डबल स्टैंड पर स्कूटी को खड़ा कर दिया।

बाहर की तरफ थोड़ी बहुत चाँद की रोशनी आ रही थी मगर यहाँ अँधेरा था और जगह भी ऐसी थी कि कोई अचानक से गुजर भी गया तो हम दोनों को नहीं देख सकता थे। हम दोनों वापस उसी तरह स्कूटी पर बैठ गए थे। पापा का लंड अभी भी मेरी गांड से सटा हुआ था।

रात के सन्नाटे में महौल एकदम सेक्सी हो रहा था ... सच कहूं तो मेरी चूत पनियाने लगी थी.

अचानक मैंने बैठे-बैठे आगे झुक कर अपने सिर को स्कूटी पर आगे हेडलाइट पर रख दिया और अपनी गांड को थोड़ा जानबूझ कर उठा दिया।

अब पापा का लंड मेरी गांड से सटा नहीं था मगर स्कर्ट के नीचे मेरी चूत ठीक पापा के लंड के सामने थी।

पापा अब तक समझ गए थे कि आखिर मैं क्यों आई हूं।

वे भी कुछ देर रुके रहे फिर थोड़ा खिसक कर मेरी गांड के पास आ गये और अपने लंड को स्कर्ट के ऊपर से ही मेरी गांड से सटा कर बैठ गये।

15-20 सेकंड तक ऐसे ही रहने के बाद मैं अचानक उठी और स्कूटी से उतरते हुए बोली- मुझे पेशाब लगी है।

पापा बोले- यहां पास में कर लो, अँधेरा है, कोई देखेगा नहीं!

और बोले- ज्यादा दूर मत जाना।

मैंने कहा- ठीक है पापा!

और फिर मुश्किल से 4-5 कदम आगे बढ़ कर स्कर्ट उठाई और बैठ कर पेशाब करने लगी। मैं जानबूझकर पास में ही पेशाब करने लगी ताकि पापा जान जाएं कि मैंने स्कर्ट के नीचे पैंटी नहीं पहनी है।

क्योंकि पेशाब करने के लिए मेरे लिए पैंटी नीचे नहीं खिसकाई थी और सीधा स्कर्ट उठा कर पेशाब करने लगी थी।

रात के सन्नाटे में चूत से पेशाब की निकल रही छरछराहट दूर तक जा रही थी जो पापा को भी साफ सुनाई दे रही थी।

पेशाब कर के उठने के बाद मैं स्कर्ट से चूत को पौँछते हुए पापा के पास आकर खड़ी हो गई।

फिर अचानक मैंने नाटक करते हुए हल्का सा चिल्लाते हुए बोली- ऊऊऊ ऊइइइइइ इइ इइइइ इइइइ !

और तेजी से अपनी स्कर्ट को थोड़ा सा उठा कर ऐसे झाड़ने लगी जैसे कोई कीड़ा घुस गया हो।

पापा को तो लग रहा था जैसे इसी के इंतजार मैं बैठे थे।

वे तेजी से स्कूटी से उतर कर मेरे सामने आकर खड़े हो गए और स्कर्ट की तरफ देखते हुए पूछे- क्या हुआ बेटा ... कुछ काट लिया क्या ?

मैंने कहा- नहीं पापा, मुझे लगा कि स्कर्ट में कोई कीड़ा घुस गया था. मगर निकल गया है शायद !

पापा ने तुरंत कुर्ते की जेब से मोबाइल निकाला और उसकी टॉच जलते हुए स्कर्ट पर देखने लगे और बोले- अरे रुको बेटा, देखने दो कहीं अभी निकला न हो तो !

शायद पापा तो इसी बहाने कुछ और करना चाह रहे थे ।
हालांकि मैं भी मन ही मन यही चाहती थी ।

मैं इतनी चुदासी हो चुकी थी और मेरी चूत में इतनी कुलबुलाहट हो रही थी कि बस चाह रही थी या तो उंगली डाल कर चूत का पानी निकाल दूं या फिर पापा का लंड पकड़ कर चूत से रगड़ लूं ।

फिर भी मैंने थोड़ा नाटक करते हुए कहा- अरे रहने दीजिए पापा ... हो सकता है निकल गया हो ।

फादर डॉटर फक्र की भूमिका बन चुकी थी.

मगर पापा अब कहां मानने वाले थे ... वे मेरे कंधों को पकड़ कर पीछे स्कूटी का सहारा देकर खड़ा करते हुए बोले- तुम आराम से खड़ी हो जाओ. मैं मोबाइल से ठीक से देख लेता हूं कि कीड़ा निकला या नहीं !

मैं समझ गई कि पापा इसी बहाने मेरी चूत देखना चाह रहे हैं ।

मैंने मन में सोचा कि मतलब आग उधर भी उतनी ही लगी है ।

फिर मैंने भी ज्यादा नाटक नहीं किया और स्कूटी का टेक लेकर खड़ी हो गई ।

पापा ने लुंगी को अपने घुटनों तक ऊपर उठा लिया और मेरे आगे घुटनों के बल बैठ गये ।
वे मुझसे इतना सट कर बैठे थे कि अगर मैं थोड़ा सा भी अपने कमर को आगे कर देती तो मेरी चूत स्कर्ट के ऊपर से ही उनके मुंह से सट जाती ।

इसके बाद उन्होंने पहले तो स्कर्ट के ऊपर ही देखने का नाटक किया और फिर धीरे से एक हाथ से मेरी स्कर्ट को ऊपर उठाते हुए मुझसे बोले की- बेटा, जरा इसे पकड़ो तो ... मैं देख लूं कि कहीं अंदर तो नहीं बैठा है ।

मैंने स्कर्ट को नीचे से पकड़ कर धीरे करके पूरा ऊपर उठा दिया ।
अब मेरी पाव रोटी जैसी फूली नंगी चूत पापा के मुंह के ठीक सामने थी ।

पापा भी मोबाइल की रोशनी में मेरी चूत को निहारे जा रहे थे ।

तभी मैंने पापा से कहा- पापा, प्लीज मोबाइल का टॉच बंद कर दीजिए कोई देख लेगा ।
हाथ से छूकर देख लीजिए कि कीड़ा बैठा तो नहीं है ।
एक तरीके से मैं पापा को अपनी चूत को छूने और सहलाने का इशारा कर रही थी ।

पापा भी समझ गए कि मैं क्या चाह रही हूँ और वे भी यहीं चाह रहे थे ।

उन्होंने मोबाइल का टॉच बंद कर अपने कुर्ते की जेब में रख लिया और फिर अपने हाथों को
मेरी जाँघ पर आगे-पीछे और ऊपर-नीचे फेरने लगे ।
धीरे-धीरे जाँघों को सहलाते हुए वे उन्होंने अपना हाथ मेरी चूत पर रख दिया ।

जैसे ही पापा ने अपना हाथ को चूत पर रखा, मेरे शरीर में झुरझुरी सी दौड़ गई ।

मेरा चेहरा कामुकता से लाल हो रहा था ; शरीर एकदम गर्म हो गया था ।
मैं इतनी चुदासी हो रही थी कि मैंने स्कर्ट को हाथ से छोड़ दिया.
अब पापा का सिर मेरी स्कर्ट के अंदर था ।

फिर मैंने अपनी दोनों जाँघों को फैलाते हुए अपनी कमर को हल्का सा आगे कर दिया ।
अब मेरी चूत पापा के मुंह के इतने पास थी कि मैं उनकी गर्म-गर्म सांसों को अपनी चूत पर
महसूस कर रही थी ।

पापा भी मेरा इशारा समझ गए ।

उन्होंने चूत को सहलाना छोड़ कर अपने दोनों हाथों को स्कर्ट के अंदर से ही पीछे ले

जाकर मेरी गांड पर रख दिया और अपने मुंह को आगे कर मेरी चूत को चूम लिया ।

मेरे शरीर में करंट सा दौड़ गया.

इसके बाद पापा अपने दोनों हाथों को दोबारा आगे लेकर आएँ और मेरी उंगलियों से मेरी गीली हो चुकी चूत की दोनों फाँकों को फैला दिया और जीभ से चूत को चाटने लगे ।

मेरे मुंह से हल्की-हल्की सिसकारी निकलने लगी ।

मैं भी अपने कमर को हल्का-हल्का हिलाते हुए चूत चटवाने लगी ।

चूत चाटते-चाटते पापा बीच-बीच में अपनी जीभ को मेरी चूत में घुसा कर हिलाने लगते थे ।

मुझे तो होश ही नहीं था.

तभी पापा ने चूत चाटना छोड़ अपना सिर स्कर्ट से बाहर निकाल लिया और अपने हाथ स्कर्ट के ऊपर मेरी कमर पर ले जाकर रख दिये ।

मैंने महसूस किया जैसे वे कुछ ढूँढ रहे हो ।

अभी मैं कुछ समझ पाती ... तभी पापा को वे मिल गया जिसे ढूँढ रहे थे ।

पापा ने मेरी स्कर्ट के हुक खोल दिया जिससे मेरी स्कर्ट एक झटके में नीचे गिर गई ।

मैंने भी अपना पैर उठा कर स्कर्ट को पैरों से बाहर कर दिया ।

पापा ने खुद ही एक हाथ से उसे उठाकर मेरी स्कर्ट को स्कूटी पर रख दिया ।

अब मैं कमर के नीचे से पूरी नंगी थी और मेरी चूत पापा के मुंह के ठीक सामने थी ।

इसके बाद मैंने भी अपनी जाँघों को और फैला दिया और उन्हें चूत चाटने की पूरी जगह दे दी ।

पापा ने हाथ से मेरी चूत के दोनों फांकों को फैला दिया और अपने मुँह को मेरी दोनों गोल चिकनी जाघों के बीच लाकर जीभ निकाल कर मेरी चूत को चाटने लगे।

कुछ देर बाद वे चूत चाटने हुए ही अपने दोनों हाथ को पीछे लेजाकर मेरी गांड को सहलाने और दबाने लगे।

मैंने अभी तक ऐसा सिर्फ पॉर्न मूवी में देखा था कि कैसे बाप अपनी बेटी की चूत चाटता है और बेटी अपने बाप से चूत चटवाती है।

मगर आज मेरे ही पापा मेरे सामने घुटनों के बाल बैठ कर अपनी बेटी की चूत चाट रहे थे। यह सोच कर मैं इतनी ज्यादा उत्तेजित हो गई थी कि ... चूत चटवाते हुए मुश्किल से 2-3 मिनट हुए होंगे कि मुझे ऐसा लगा कि मेरे शरीर का सारा खून चूत की तरफ जा रहा है; मेरी चूत की नसें एकदम फटने वाली हैं।

मैं तेजी से कमर हिलाने लगी और मेरे मुँह से तेज सिसकारियां निकलने लगीं- आआ आआआ आआह हहह हह हहहह !

फिर अचानक मेरा शरीर एकदम अकड़ गया और मेरे मुँह से तेज सिसकारी निकली- आआ आआ आह हह हहहह !

और मेरी चूत ने पानी छोड़ दिया।

मैंने एक्साइटमेंट में पापा का मुँह अपनी जाघों के बीच जोर से दबा लिया था ... पापा बिना मुँह हटाये मेरी चूत का सारा पानी जीभ से चाट गये।

मैं तेजी से हांफ रही थी ... हल्की ठंडी हवा में भी मेरे माथे पर पसीने की बूंदें आ गई थीं।

उधर पापा अभी भी नीचे बैठे रहे और कुछ देर के लिए ... उन्होंने अपना मुँह मेरी चूत से

हटा लिया ताकि मैं अपनी सांस पर काबू कर लूं।

जब उन्हें लगा कि मैं थोड़ा नॉर्मल हूं गई हूं ... तो उन्होंने अपने दोनों हाथों से मेरी जांघों को फैला कर फिर से मेरी चूत चाटना शुरू कर दिया।

मैं तो जैसे आसमान में उड़ने लगी थी।

मुझे इतना मजा आ रहा था कि मदहोशी में मैंने आंख बंद कर ली और पापा के सिर को पकड़ कर अपनी कमर हिला-हिला कर दोबारा से चूत चटवाने लगी।

करीब 2 मिनट की चूत चटाई से मुझ पर दोबारा चुदाई का नशा चढ़ने लगा।

तभी पापा चूत से अपना मुंह हटा लिया मुझसे धीरे से बोले- थोड़ा घूम जाओ बेटा!

मैं घूम गई अब मेरी गांड पापा के मुंह के सामने थी ... पापा थोड़ा खिसक कर पीछे हो गए और मुझे झुकने की जगह दे दी।

मैंने अपने दोनों हाथों को स्कूटी पर टिका दिया और गांड को पीछे कर पापा के मुंह के पास कर दिया।

पापा ने अपने हाथों से कुछ देर मेरी चिकनी गांड को सहलाया और फिर गांड को फैला दिया और अपनी जीभ को मेरी गांड के छेद पर रख कर चाटने लगे।

मेरी तो हालत ही खराब होने लगी।

हालांकि सोनू (मेरा छोटा भाई) भी इसी तरह मेरी गांड को कई बार चाट चुका था ... मगर उसके जाने के बाद ये पहला मौका था कि इतने दिनों के बाद कोई मेरी गांड को चाट रहा था और वे भी मेरे पापा!

करीब 1 मिनट तक इसी तरह गांड की छेद को चाटने का बाद पापा ने अपना मुंह गांड से हटा लिया और खड़े हो गए.

तभी मैंने देखा कि पापा ने हाथ बढ़ाकर स्कूटी पर कुछ रखा है.
मैंने देखा तो वो पापा की लुंगी थी ... मेरा दिल जोर-जोर से धड़क रहा था.

मैं समझ गई कि अब पापा नीचे से पूरे नंगे हो चुके हैं।

पापा ने अपना हाथ मेरे कंधे पर रख कर मुझे मुड़ने का इशारा किया.
मैं सीधी हुई और पापा की तरफ मुंह कर के खड़ी हो गई।

मैंने देखा कि पापा ने अपने कुर्ते को अपने कमर से ऊपर उठा कर खोस लिया है।

मेरी निगाह नीचे गई तो अँधेरे में भी उनका खड़ा लंड साफ दिख रहा था।
पापा ने एक हाथ से मेरे हाथ पकड़ कर अपने लंड पर रख दिया।

मैं खड़े-खड़े उनके लंड को पकड़ कर सहलाने लगी.

तभी पापा ने अपना एक हाथ बढ़ाया और मेरे कंधे पर रख कर धीरे से बोले- इसे मुंह में लो
बेटा!

पापा की आवाज उत्तेजना में हल्का सा कांप रही थी ऐसा लग रहा था जैसे नशे में बोल रहे
हों।

वैसे मैं तो खुद भी यही चाह रही थी।

मैं पापा के सामने घुटनों के बल बैठ गई और उनके लंड की चमड़ी को पूरा पीछे खींच कर
सुपारे को मुंह में भर कर चूसने लगी।

मैंने लंड चूसते हुए हुए ऊपर देखा तो पापा अपने एक हाथ को अपनी कमर पर रखे हुए थे
और मुझे देखते हुए अपनी कमर को हल्का-हल्का हिलाते हुए मजे से लंड चुसवा रहे थे।

उनका एक हाथ मेरे सिर पर था जिसे वे हल्का सा अपने लंड पर दबा रहे थे.

मुझे लग रहा था कि वे भी शायद अपनी किस्मत पर फूले नहीं समा रहे होंगे कि उनकी 19 साल की मस्त जवान बेटी आधी नंगी बैठी अपने ही बाप का लंड चूस रही है।

जिस तरह पापा अपने कमर हिलाने की स्पीड बढ़ा कर लंड मेरे मुंह में तेजी से आगे पीछे कर रहे थे ... मुझे लग रहा था कि वे जल्दी ही झड़ने वाले हैं.

मैं भी लंड के सुपारे को तेजी से अपने सर आगे पीछे कर चूसने लगी थी।

अभी मुश्किल से 2 मिनट भी नहीं हुए थे कि उनके मुंह से हल्की-हल्की सिसकारी निकलने लगी और वे तेजी से अपनी कमर को हिलाने लगे.

आआआ आहह हहह ... बेटा आआ ... और फिर अचानक उनका शरीर एकदम अकड़ गया और उनके मुँह से तेज सिसकारी निकली- आआआ आआह हह हहह !

और दो-तीन तेज झटके देते हुए मेरे मुंह में अपने लंड का सारा पानी निकाल दिया।

मैंने भी लंड का सारा नमकीन पानी पी लिया।

पापा खड़े-खड़े तेजी से हांफ रहे थे ... उनका लंड एकदम ढीला हो गया था.

मगर मैंने अभी भी पापा के लंड को मुंह से नहीं निकाला था और उनके ढीले हो चुके लंड को भी मुंह में लेकर चुपचाप उसी तरह घुटनों की बल बैठी रही।

प्रिय पाठको, मेरी फादर डॉटर फक स्टोरी आप को कैसी लग रही है, आप मुझे जरूर बतायें।

फादर डॉटर फक स्टोरी का अगला भाग : चूत और लण्ड का एक ही रिश्ता- 8

Other stories you may be interested in

पड़ोसी अंकल के साथ थ्रीसम चुदाई का मजा

थ्रीसम डर्टी सेक्स का मजा मैंने अपने पड़ोस के एक अंकल और उनके एक दोस्त के साथ लिया. अंकल के बड़े लंड से मैं अक्सर चुदती थी पर उस दिन उनका दोस्त भी साथ था. यह कहानी सुनें. फ्रेंड्स, मैं [...]

[Full Story >>>](#)

भाई से चूत चटवा कर शांति मिली

गरम चूत का इलाज मेरे भाई ने मेरी चूत चाट कर सड़क किनारे की झाड़ियों में! पापा के दोस्त की गोद में बैठ कर उनका लंड मेरी गांड में चुभने से मैं गर्म हो गयी थी. यह कहानी सुनें. मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

पापा के दोस्त के साथ मस्ती- 2

ठरकी अंकल के घर में आ गयी मैं अपने भाई और सहेली को लेकर ... वे दोनों आपस में चुदाई करना चाहते थे और हमारे पास कोई जगह नहीं थी. इसी के साथ मेरी सेटिंग भी हो गयी अंकल के [...]

[Full Story >>>](#)

होली की मस्ती की रंग बिरंगी तितलियाँ

Nude Holi Sex Pics

[Full Story >>>](#)

पापा के दोस्त के साथ मस्ती- 1

यंग पुसी का मजा लेने के लिए सभी तैयार रहते हैं. इस कहानी में मेरे पापा के दोस्त ने मुझे देखा तो वे मेरे जिस्म को खा जाने वाली नजर से देखने लगे. यह कहानी सुनें. मेरे प्यारे पाठको, मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

